

पृष्ठक,

प्राप्त 10 के 0 माहेश्वरी,

सहित,

उत्तराखण्ड, शासन

सेवा में,

निदेशक,

विद्यालयी शिक्षा,

उत्तराखण्ड देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-3 देहरादून
दिनांक 26 मार्च, 2007
विषय: माध्यमिक शिक्षा के अंशिन बच्चों के पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: अर्थ-4/46936/देमो 50क10/2006-07 दिनांक 08-12-2006 एवं पत्र संख्या: नियोजन-4/सी-217/देमो 50क10/2006-07 दिनांक 16-3-2007 के कम में एवं शासनदेश संख्या: सी0एम0-03/XXIV-2/2005 दिनांक 28-1-2005 के संदर्भ में मझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चार वितीय वर्ष 2006-07 के आयोजनगत पक्ष में माध्यमिक शिक्षा के अंशिन बच्चों के माध्यम से देमो 50क10 के अंशोडा के भवन निर्माण हेतु नगर पालिका परिषद अंशोडा के अनुमोदित आगमन रु0 16.10 लाख पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए पूर्व में स्वीकृत रु0 5.00 लाख को समायोजित करते हुए देम अवशेष रु011.10 लाख (रुपये न्याहरे लाख दस हजार मात्र) की धनराशि को संलग्न बी0एम0-15 पृष्ठ में दस हजार मात्र) की धनराशि को स्वीकृत किया जाने उल्लिखित विवरणानुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृत किया जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के अंशिन प्रदान करते हैं:-

1- आगमन में उल्लिखित दरों का विवरण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिष्टयुक्त आफ्टर में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदुपरान्त ही आगमन की स्वीकृति मान्य होगी। कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर लिया जाये। नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाये। स्वीकृत धनराशि का उपयोजिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाय।

- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 4- एक मूल प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय।
- 5- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरें/विश्लिष्टों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 6- कार्य करने से पूर्व स्थल का मशीनरि निर्माण रख अष्टिकारियों एवं म्पारद्वला के साथ अवश्य करा ले। निर्माण के पश्चात स्थल आवश्कताानुसार निर्देशों तथा निर्माण दियुगी के अन्कष कार्य किया जाए।
- 7- आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ले जाय तथा उपयुक्त पायी जानी वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 9- 100पी0डब्ल्यू0 फाम 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण डकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण डकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 10- किसी भी कार्यालय / संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगमन गठित करते समय स्वीकृत डालव्य एवं नामस के अनुसार गठित किया जाय तथा उसकी सर्वना प्रशासनिक विभाग की भी दे एवं डिग्री कालेजों / मंडिकल के डास्टलों का निर्माण एवड0आई0पी0 के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगमन गठित किये जाय।
- 11- मुख्य सचिव, उल्लरांचल के शासनदेश संख्या 2047/XIV-219(2006)दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों के कम में कार्य करते समय अववा आगमन गठित करते समय कडाई से पालन करया जान सुनिश्चित करें।
- 12- नियमानुसार खस्तीकरण एवं उससे प्राप्त सामग्री की नीलामी से प्राप्त धनराशि को राजकोष में सुसंगत लेखा शीर्षक में जमा किया जाय।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व संक्षम प्रतिकारी की प्राविधिक स्वीकृति आवश्यक प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयुक्तीता प्रमाण पत्र निधारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमादित व्यय कदापि न किया जाय।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय में अनुदान संख्या- 11 के अधीन लेखा शीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा- 02-माध्यमिक शिक्षा- 110- गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को सहायता - आयोजनगत-04- अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों को सहायता - 0408- नेशनल इंटर कॉलेज धनौरी हरिद्वार एवं डेम्बो इंटर कॉलेज अम्बोड़ा को सहायता- 20- सहायक अनुदान /अंशदान/ राज सहायता के अन्तर्गत संलग्न बी0 एम0-15 में उल्लिखित संबंधित व्योरेवार शीर्षक के नामों जाला जायेगा तथा संलग्न पुनर्विनियोग के कालम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1484/ वित्त (व्यय नियंत्रण)अनु-3/2006 दिनांक 22-3-2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहे हैं।

भवदीय,

संलग्नक- बी0एम्0 -15

(एस0 के0 माहेश्वरी)
सचिव

संख्या: 104 (1)/XXIV-3/2007 तददिनांक

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल चैनीताल।
- 7- जिलाधिकारी, अम्बोड़ा।
- 8- कोषाधिकारी, अम्बोड़ा।

- 9— जिला शिक्षा अधिकारी, अल्मोड़ा।
- 10— वित्त अनुभाग-3 / नियोजन प्रकोष्ठ।
- 11— कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग)।
- 12— ✓ एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13— गार्ड फाइल।

संलग्नक— बी0एम0-15 प्रपत्र।

आज्ञा से,
(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव


प्रविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार	वित्तीय वर्ष में अनुमानित व्यय	अवशेष सरलस धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है तथा स्थानान्तरित धनराशि	पुनर्वित्तिय धनराशि के बाद कुल धनराशि	पुनर्वित्तिय धनराशि के बाद अवशेष धनराशि (रकम-1 में)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2202-सामान्य शिक्षा	02-माध्यमिक शिक्षा (आयोजनागत)	800-अन्य व्यय	01-केंद्रीय आयोजनागत / केंद्र द्वारा प्रयोजित धनराशि	0104-शिक्षक शिक्षा की पुनर्संरचना एवं पुनर्गठन - 20-सहायक अनुदान/अंशदान / राजसहायता - 47000	45890	45890	योजना में भारत सरकार से धनराशि अवमुक्त न हो के कारण वरतने एवं प्रयोजित धनराशि में प्राविधान प्रयोजित कार्य एवं लेखे धनराशि अवमुक्त किया जाना है।
सम्पूर्ण योग-	0	45890	1110	2202-सामान्य शिक्षा- 02-माध्यमिक शिक्षा (आयोजनागत) 110-गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की सहायता - 04-अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों की सहायता- 0408-नेशनल इण्टर कॉलेज धनराशि, हरिद्वार एवं रामबे इण्टर कॉलेज अल्मोड़ा की सहायता- कुल 1110	1111	45890	
कुल 47000	0	45890	1110	कुल 1110	1111	45890	

साधित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग से बजट में अनुअल के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

सचिव
(प्रशासकीय विभाग)
29/12/06

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग - 3
संख्या: 14840/XXVI(3)/2006
देहरादून दिनांक 22 मार्च, 2007

पुनर्विनियोग स्वीकृत।


(एन0एन0 थपलियाल)
अपर सचिव

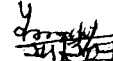
सेवा में,

महालेखाकार,
(लेखा एवं हकदारी)
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संख्या: (1)/XXI V-3/2007 / तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक
कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3- वित्त अनुभाग-3।
- 4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एस0के0 माहेश्वरी)
सचिव